

Shri Raghunatha Temple MSS. Library,  
JAMMU

३१०४

६६६

No. क

Title हिदा इल का बारहमासा

Author

Extent १० पत्र Age

Subject काव्य (काव्यप्रज्ञा)

6176  
10

हिदाश्तदावीरा  
मं. २२६



गौंष्ट्रीरामायनमः॥ गौंचउदेचेत  
नदीचरुजानी॥ रोरोआदीमा  
रामै॥ फलियावागपकेस.  
भमेवे॥ किसदेनजरगुजा  
रामै॥ कुकरहीमालीनदी

न  
४४  
विदुतदा  
बाहमोसा  
पना  
१०

दि १ विचमालीबुलबुलवागप्र.  
कारामै॥ जेचरजारदिदाईत  
आवे॥ अंबअनारउतागामै॥ १॥  
चडेवैसाषविसाषीहोई॥ च  
रीसदागरआईनी॥ नाहोष



वर असा डे जानी ॥ किं इततिदि  
तलाईनी ॥ पले के सगले वि  
चमेरे ॥ सही आसी सगु दारीनी ॥  
कोण दिदा इत धवर लि आवे  
॥ के दशका सद जायेनी ॥ १ ॥

दि

१

२

चउदेजेठवगतद्रणलोहा॥  
रितगरमीदीआईहै॥ जालम  
विरहोफुकअलावा॥ आतम  
तेजमचाईहै॥ इसविच्छोडेवा  
गससादेमेरेजातजलाईहै॥



अजेदिदायतयारतआयाजा  
नलवापरआदि॥३॥चडिया  
हाउचतामैहाडेपीआवाज  
एकलीजे॥सुदतगुजरीपेद  
उडीकासोदनेषवरतचली

दि

३

३

जै॥ वागजलैषाजसवापिछे  
मैदणदोईकलीजे॥ लगेइस  
कादिदाइतउसनाकिसमत  
जिदीशुवलीजे॥ ध॥ चडदेसा  
वणामीदेवरसावणसईआ



पीछोपाश्यानी॥ कालीचटा  
सिरमरेउपरजालमईसक  
कडाईआनी॥ विजलीचमकी  
विरहोवालीनैएकडीआ  
लाईयानी॥ सोपासकदि

दि  
ध

दायतर्सेरसविचसषतज  
दाईआती॥५॥भाद्रोभादि३  
सकनेफुकीषूएवदतदा  
साडियाजी॥दसपीआदीपे  
दीताहीछिवामहीताचडि



याजि॥ मैवे किसमत रो दी फि  
र दी नागा रस क दाला डि आ जे  
के द डे दे सा दि दा यत जानी ।  
किसमत मेरी ध डि आ जे ॥ २ ॥  
अस आ व संता ई आ मै न तर

दि  
५

फजंगल उठवहेतीदा॥ क  
रकेयादपीयान्नरोवाअक  
लीहोहोवादितीदा॥ जाल.  
माविरहोपैणनदेराजेमैले  
मोपैतीदा॥ जानीवाजदिदा



यततेरेतारेगिएदीरहिनी  
हं॥७॥चडियाकतककंतन  
आरयामैद्रणवालणजावां  
गो॥देसाविदेसाफेरंगीभौ  
दीजोगतभेसवतावांगी॥

दि  
ह

6

गीरीनालरंगांगीकपडेके  
नीसंद्रांपावांगी॥ससीवां॥  
गादिदायतमैभीथलाविच  
जातगवांगी॥८॥सचर.  
मारसुकाईआमैनुहडावि

छोड़े गालेनी॥ साड़ी वलोकों  
चितचाया उसपीयासुतवा  
लेनी॥ अगेरातदिजरदीलं  
मोउतापैगैपालाती॥ जानी  
कोलादिदायतनादीलावा



दि.

७

7

अंगसियालिनी॥५॥चडि।  
आपोदपरियाइएवरफा  
कोईषवरनवालीने॥मड  
केषवरनपूछीमेरीछाउ  
गोयाबारिदालीने॥भाव

इवलनतजदोमैवेष्ठाउसदीप  
लंछतिदालीने॥ लागलता  
लाहिदायतरोखालफसरा  
एषालीने॥ १॥ माचमदीने  
मादीवाजो जोकुयमैसरा

दि  
८

8

वीनीजे॥ सालादसमतना  
लनहोवेजहीविबोडेकी  
नीजे॥ कोदलवांगरजात  
तेनीदीपीडसकजिदली  
नीजे॥ वसलंगनात्रिआक



हिदायतजदिरसकजिन  
पीतो जै ॥ १॥ चडिआफगण  
कंधीलगाणोमरहीदिन  
घोडेनी ॥ नालपीयादे घेडा  
दोलीइहमेरादिललोडेनी ॥

दि १९  
१  
पेसा कोण करामै दर दी जा.  
उो स तं दृश्य जा डे नी ॥ ता सो १  
दा गाणा दि दाय त जे स झ बां  
गा मो डे नी ॥ १२ ॥ पी या गि ड  
॥ पी या चर आ वे दार सिं चा

रवना वामै॥ करं निआरी से०  
जच उन दीरो दा लव जा वा  
मै॥ सजण माण डे विच वे डे रे  
ता पले गा विछा वामै॥ आगे  
भषत हि दा यत मे रे दाल



नं. १२२

दि  
१०  
१४

एतद्गाल्लवाभै॥३॥इति  
श्रीहिदाश्नदावागमहासंस्पर्ण



नं. ८९